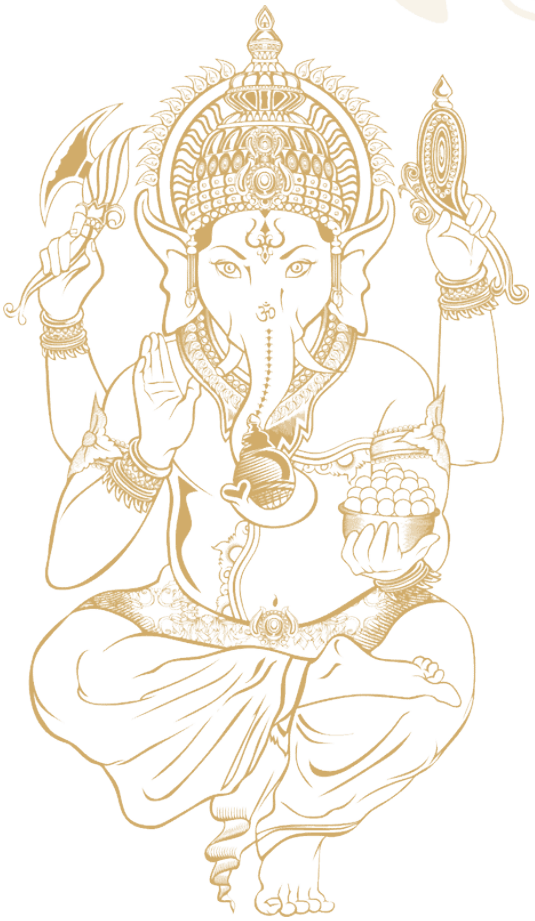

# Ms. Sanya

06 Aug 1999

05:25 PM

Rohru

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119182002

| | | |
|---|---|---|
| स्त्रीलिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| **06/08/1999** | जन्म तिथि | **06/08/2025** |
| शुक्रवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 17:25:00 | जन्म समय | 09:13:48 घंटे |
| घटी 29:26:08 | जन्म समय(घटी) | 08:57:01 घटी |
| India | देश | India |
| Rohru | स्थान | Rohru |
| उत्तर 31:12:00 | अक्षांश | 31:12:00 उत्तर |
| पूर्व 77:45:00 | रेखांश | 77:45:00 पूर्व |
| पूर्व 82:30:00 | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:19:00 | स्थानिक संस्कार | -00:19:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:38:32 | सूर्योदय | 05:38:59 |
| 19:10:47 | सूर्यास्त | 19:10:10 |
| 23:50:53 | चित्रपक्षीय अयनांश | 24:12:57 |

| | | |
|---|---|---|
| धनु | लग्न | कन्या |
| गुरु | लग्न लग्नाधिपति | बुध |
| वृष | राशि | धनु |
| शुक्र | राशि-स्वामी | गुरु |
| रोहिणी | नक्षत्र | मूल |
| चन्द्र | नक्षत्र स्वामी | केतु |
| 1 | चरण | 4 |
| ध्रुव | योग | विष्कुम्भ |
| वणिज | करण | बालव |
| ओ-ओमप्रकाश | जन्म नामाक्षर | भी-भीनी |
| सिंह | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |
| वैश्य | वर्ण | क्षत्रिय |
| चतुष्पाद | वश्य | मानव |
| सर्प | योनि | श्वान |
| मनुष्य | गण | राक्षस |
| अन्त्य | नाड़ी | आद्य |
| गरूड़ | वर्ग | मूषक |
| 26 | गत/तत्कालिक वर्ष | 27 |

## जन्म - विवरण

| नक्षत्र | पद | अंश | राशि | व | अ |
|---|---|---|---|---|---|
| पूर्वाषाढ़ा | 3 | 21:21:15 | धनु | | |
| आश्लेषा | 1 | 19:44:30 | कर्क | | |
| रोहिणी | 1 | 13:18:50 | वृष | | |
| विशाखा | 1 | 20:19:55 | तुला | | |
| पुष्य | 1 | 04:44:33 | कर्क | | |
| अश्विनी | 4 | 10:34:23 | मेष | | |
| मघा | 4 | 10:11:58 | सिंह | व | |
| भरणी | 3 | 22:50:47 | मेष | | |
| आश्लेषा | 1 | 19:06:27 | कर्क | | |
| श्रवण | 3 | 19:06:27 | मक | | |
| श्रवण | 4 | 21:01:09 | मक | व | |

## वर्ष - विवरण

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | पद | नक्षत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कन्या | 04:36:34 | 3 | उ०फाल्गुनी |
| सूर्य | | | कर्क | 19:44:30 | 1 | आश्लेषा |
| चंद्र | | | धनु | 11:21:14 | 4 | मूल |
| मंगल | | | कन्या | 05:16:30 | 3 | उ०फाल्गुनी |
| बुध | व | अ | कर्क | 11:25:20 | 3 | पुष्य |
| गुरु | | | मिथु | 18:35:22 | 4 | आर्द्रा |
| शुक्र | | | मिथु | 12:44:21 | 2 | आर्द्रा |
| शनि | व | | मीन | 07:14:35 | 2 | उ०भाद्रपद |
| राहु | व | | कुंभ | 24:36:28 | 2 | पू०भाद्रपद |
| केतु | व | | सिंह | 24:36:28 | 4 | पू०फाल्गुनी |
| मु | | | कुंभ | 21:21:15 | 1 | पू०भाद्रपद |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

## चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:57

### लग्न-चलित

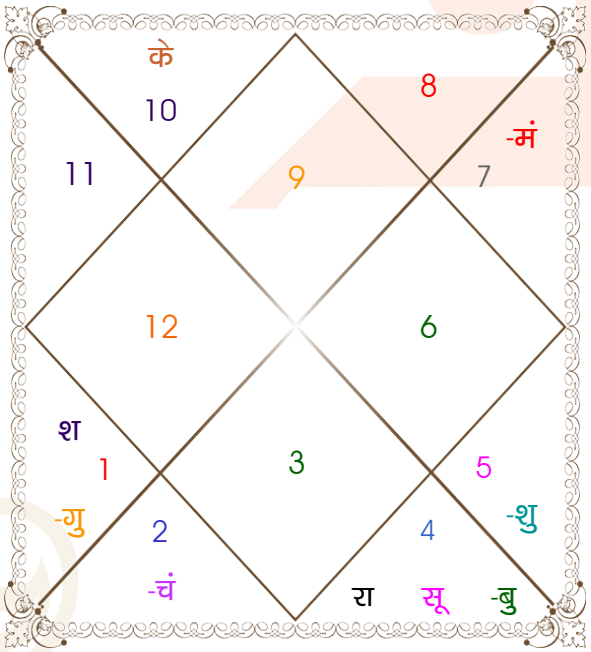


### वर्ष लग्न कुंडली

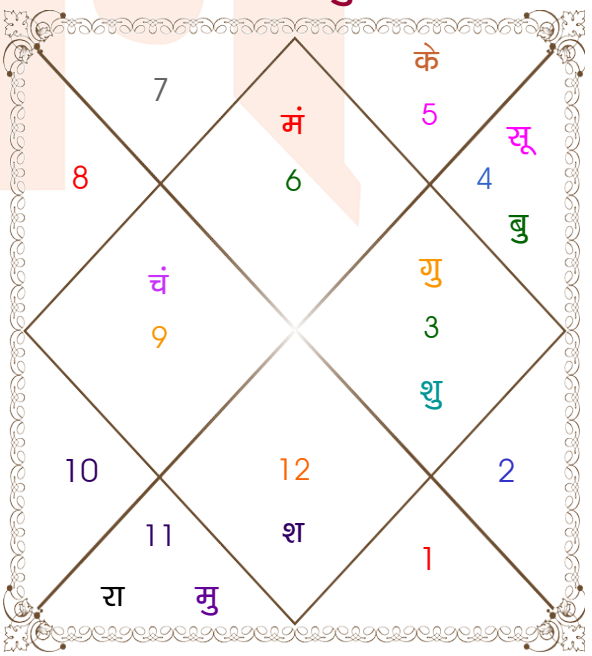

# विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

| राहु - केतु - बुध | | राहु - शुक्र - शुक्र | | राहु - शुक्र - सूर्य | | राहु - शुक्र - चंद्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 06/07/2025 11:54 | | 29/08/2025 19:51 | | 28/02/2026 10:51 | | 24/04/2026 05:45 | |
| 29/08/2025 19:51 | | 28/02/2026 10:51 | | 24/04/2026 05:45 | | 24/07/2026 13:15 | |
| बुध | 14/07/2025 04:38 | शुक्र | 29/09/2025 06:21 | सूर्य | 03/03/2026 04:35 | चंद्र | 01/05/2026 20:22 |
| केतु | 17/07/2025 08:41 | सूर्य | 08/10/2025 09:30 | चंद्र | 07/03/2026 18:10 | मंगल | 07/05/2026 04:12 |
| शुक्र | 26/07/2025 10:01 | चंद्र | 23/10/2025 14:45 | मंगल | 10/03/2026 22:52 | राहु | 20/05/2026 20:56 |
| सूर्य | 29/07/2025 03:13 | मंगल | 03/11/2025 06:25 | राहु | 19/03/2026 04:06 | गुरु | 02/06/2026 01:08 |
| चंद्र | 02/08/2025 15:52 | राहु | 30/11/2025 15:52 | गुरु | 26/03/2026 11:25 | शनि | 16/06/2026 12:07 |
| मंगल | 05/08/2025 19:56 | गुरु | 25/12/2025 00:16 | शनि | 04/04/2026 03:37 | बुध | 29/06/2026 10:35 |
| राहु | 13/08/2025 23:32 | शनि | 22/01/2026 22:15 | बुध | 11/04/2026 21:53 | केतु | 04/07/2026 18:25 |
| गुरु | 21/08/2025 05:23 | बुध | 17/02/2026 19:10 | केतु | 15/04/2026 02:36 | शुक्र | 19/07/2026 23:40 |
| शनि | 29/08/2025 19:51 | केतु | 28/02/2026 10:51 | शुक्र | 24/04/2026 05:45 | सूर्य | 24/07/2026 13:15 |

| राहु - शुक्र - मंगल | | राहु - शुक्र - राहु | | राहु - शुक्र - गुरु | | राहु - शुक्र - शनि | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 24/07/2026 13:15 | | 26/09/2026 11:18 | | 09/03/2027 20:00 | | 02/08/2027 22:24 | |
| 26/09/2026 11:18 | | 09/03/2027 20:00 | | 02/08/2027 22:24 | | 23/01/2028 10:15 | |
| मंगल | 28/07/2026 06:44 | राहु | 21/10/2026 03:00 | गुरु | 29/03/2027 07:31 | शनि | 30/08/2027 09:40 |
| राहु | 06/08/2026 20:50 | गुरु | 12/11/2026 00:58 | शनि | 21/04/2027 10:42 | बुध | 23/09/2027 23:33 |
| गुरु | 15/08/2026 09:23 | शनि | 08/12/2026 01:32 | बुध | 12/05/2027 03:26 | केतु | 04/10/2027 02:26 |
| शनि | 25/08/2026 12:16 | बुध | 31/12/2026 08:22 | केतु | 20/05/2027 15:58 | शुक्र | 02/11/2027 00:25 |
| बुध | 03/09/2026 13:36 | केतु | 09/01/2027 22:29 | शुक्र | 14/06/2027 00:22 | सूर्य | 10/11/2027 16:36 |
| केतु | 07/09/2026 07:05 | शुक्र | 06/02/2027 07:56 | सूर्य | 21/06/2027 07:42 | चंद्र | 25/11/2027 03:36 |
| शुक्र | 17/09/2026 22:45 | सूर्य | 14/02/2027 13:10 | चंद्र | 03/07/2027 11:54 | मंगल | 05/12/2027 06:29 |
| सूर्य | 21/09/2026 03:27 | चंद्र | 28/02/2027 05:53 | मंगल | 12/07/2027 00:26 | राहु | 31/12/2027 07:04 |
| चंद्र | 26/09/2026 11:18 | मंगल | 09/03/2027 20:00 | राहु | 02/08/2027 22:24 | गुरु | 23/01/2028 10:15 |

| राहु - शुक्र - बुध | | राहु - शुक्र - केतु | | राहु - सूर्य - सूर्य | | राहु - सूर्य - चंद्र | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 23/01/2028 10:15 | | 26/06/2028 15:48 | | 29/08/2028 13:51 | | 15/09/2028 00:19 | |
| 26/06/2028 15:48 | | 29/08/2028 13:51 | | 15/09/2028 00:19 | | 12/10/2028 09:46 | |
| बुध | 14/02/2028 10:02 | केतु | 30/06/2028 09:17 | सूर्य | 30/08/2028 09:34 | चंद्र | 17/09/2028 07:06 |
| केतु | 23/02/2028 11:21 | शुक्र | 11/07/2028 00:57 | चंद्र | 31/08/2028 18:26 | मंगल | 18/09/2028 21:27 |
| शुक्र | 20/03/2028 08:17 | सूर्य | 14/07/2028 05:39 | मंगल | 01/09/2028 17:27 | राहु | 23/09/2028 00:04 |
| सूर्य | 28/03/2028 02:33 | चंद्र | 19/07/2028 13:30 | राहु | 04/09/2028 04:37 | गुरु | 26/09/2028 15:44 |
| चंद्र | 10/04/2028 01:01 | मंगल | 23/07/2028 06:59 | गुरु | 06/09/2028 09:13 | शनि | 30/09/2028 23:50 |
| मंगल | 19/04/2028 02:21 | राहु | 01/08/2028 21:05 | शनि | 08/09/2028 23:40 | बुध | 04/10/2028 20:58 |
| राहु | 12/05/2028 09:10 | गुरु | 10/08/2028 09:38 | बुध | 11/09/2028 07:33 | केतु | 06/10/2028 11:19 |
| गुरु | 02/06/2028 01:55 | शनि | 20/08/2028 12:31 | केतु | 12/09/2028 06:34 | शुक्र | 11/10/2028 00:53 |
| शनि | 26/06/2028 15:48 | बुध | 29/08/2028 13:51 | शुक्र | 15/09/2028 00:19 | सूर्य | 12/10/2028 09:46 |

# अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी प क्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युतर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रूकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

# अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।